

2115
पत्र संख्या आ०पा०-१-विविध-१/९९/ 1864/वि०,
बिहार सरकार,
वित्त विभाग ।

पटना, दिनांक 25/4/2001

प्रेषक,

भानु प्रताप शर्मा,
अपर वित्त आयुक्त । व्यय ।

सेवा में,

प्रधान महालेखाकार,
बिहार एवं झारखण्ड,
राँची ।

विषय:- एम० आइ० सी० आर० चेक का प्रचलन बंद होने के संबंध में ।
महाशय,

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने पत्रांक डी० जी० बी० ए०, जी०ए०
डी० नं०-1537/312005/2000-01 दिनांक 7-2-2001 से यह सूचना दी है कि
गैर एम० आइ० सी० आर० चेकों के उपयोग का वे 30-6-01 से बंद करना चाहते हैं
। पत्र की छाया प्रति संलग्न । ।

बिहार कोषागार संहिता भाग 1 के नियम 194 के आलोक में चेक
पुस्तों की आपूर्ति महालेखाकार द्वारा निकासी पदाधिकारियों को समय-समय
पर की जाती है। भारतीय रिजर्व बैंक के उपर्युक्त अनुरोध के आलोक में यह आवश्यक
होगा कि 15 जून 2001 तक कोषागारों को एम० आइ० सी० आर० संबंधित चेकों की
आपूर्ति करा दी जाय ।

अतः अनुरोध है कि एम० आइ० सी० आर० चेक बुक की तदनुसार
आपूर्ति सुनिश्चित करवाने की कृपा की जाय। अगर किसी कारणवश चेक की आपूर्ति
15-6-2001 तक किया जाना संभव नहीं हो तो, भारतीय रिजर्व बैंक से इस आशय
का अनुरोध समय रहते किया जाय ताकि 30-6-2001 को निर्धारित समय सीमा को
वे आगे बढ़ा दें ।

विश्वासभाजन,

भानु प्रताप शर्मा ।

अपर वित्त आयुक्त । व्यय ।

20/03/2011

ज्ञापांक 1864/19 वि०, पटना, दिनांक 25/4/2007
प्रतिलिपि आयुक्त एवं सचिव/सचिव/सभी कार्य विभागों को सूचनार्थ
एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

॥ भानु प्रताप शर्मा ॥
अपर वित्त आयुक्त ॥ व्यय ॥

ज्ञापांक 1864/19 वि०, पटना, दिनांक 25/4/2007
सभी कोषागार/उप कोषागार पदाधिकारी को सूचनार्थ प्रेषित ।

2:- अनुरोध है कि आवश्यकता के आलोक में प्रधान महालेखाकार
कार्यालय से एम०आइ० सी० आर० चेक पुस्तों की आपूर्ति करने हेतु अनुरोध किया
जाय ।

॥ भानु प्रताप शर्मा ॥
अपर वित्त आयुक्त ॥ व्यय ॥

20/4